टीबी नियंत्रण के लिए नजरिये में बदलाव

लेखक-डॉ. टी.जैकोब.जॉन CMC वेल्लोर से एक सेवानिवृत्त डॉक्टर) एवं डॉ शोभा वर्थमान (डॉक्टर विदाउट बार्डर में स्वयंसेवक)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-II और -III (स्वस्थ्य एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी)

द हिन्दू

26 मार्च, 2019

"2025 तक टीबी समाप्त करना असंभव है लेकिन इसके गिरावट को बनाए रखना वास्तविकता के दायरे में है।"

भारत में क्षय रोग (टीबी) सबसे बड़ी जानलेवा बीमारी है। विश्व क्षय रोग दिवस 24 मार्च को मनाया जाता है। 2019 में विश्व क्षय रोग दिवस की थीम 'It's Time…' टीबी नियंत्रण को गंभीरता से लेने के लिए थी। 13 मार्च, 2018 को प्रधानमंत्री ने टीबी उन्मूलन शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में घोषणा की कि भारत 2025 तक टीबी को समाप्त कर देगा।

टीबी संक्रमण को रोकने के प्रयास:-

राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) 1962 में शुरू किया गया था। 1978 में विस्तारित रोग प्रतिरक्षण कार्यक्रम (EPI) शुरू हुआ, जन्म के तुरंत बाद सभी शिशुओं को बीसीजी दिया गया और 90% से अधिक कवरेज प्राप्त किया गया। लेकिन 1990 में जब NTCP और EPI का मूल्यांकन किया गया तो इन्होने वांछित परिणाम नहीं दिया। 1993 में संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP) शुरू किया गया था, जो टीबी रोगियों के लिए मुफ्त निदान और उपचार प्रदान करता है। हालांकि, उपचार रोकथाम नहीं है और रोकथाम नियंत्रण के लिए आवश्यक है।

नियंत्रण पर कमी:-

NTCP और EPI क्यों विफल रहे?

बीसीजी वैक्सीन नैदानिक परीक्षण 1964 में चिंगलपेट जिले, तमिलनाडु में शुरू हुआ और 1999 में एक रिपोर्ट में पाया गया कि बीसीजी टीबी संक्रमण या वयस्क पल्मोनेरी टीबी से रक्षा नहीं करता था। बीसीजी टीकाकरण छोटे बच्चों में गंभीर बहु-अंगीय टीबी रोग को रोकता है और इसे जारी रखा जाना चाहिए, लेकिन यह टीबी को नियंत्रित नहीं कर पाएगा।

चूँकि भारत में हर साल एक लाख में 200-300 टीबी के मामले पाए जाते हैं, इसलिए टीबी का इलाज मृत्यु दर को कम करने के लिए आवश्यक है, लेकिन संचरण को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि जब कोई व्यक्ति उपचार के दौरान गैर-संक्रामक हो जाता है, तो उसके इलाज के (संक्रामक - गैर संक्रामक) कई हफ्तों के अंतराल के दौरान संक्रमण आसपास के क्षेत्रों में संपर्क को संतृप्त करता है।

तमिलनाडु पायलट मॉडल:-

तमिलनाडु स्वास्थ्य प्रबंधन में एक प्रगतिशील राज्य है। तमिलनाडु में RNTCP में सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने की योजना है और यह नया मॉडल सार्वजनिक-निजी भागीदारी रूप में होगा।

यह नया मॉडल एक जिले तिरुवन्नमलाई में लागू किया जाएगा और यदि यह सफल होता है तो इसे अन्य सभी जिलों में दोहराया जाएगा।

स्वास्थ्य शिष्टाचार:-

टीबी के जीवाणु हवा में तैरते हैं, लोग उस हवा में सांस लेते हैं और संक्रमित हो जाते हैं। एक पल्मोनरी टीबी व्यक्ति के करीब, संक्रमण को पकड़ने की संभावना अधिक होगी। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करके संचरण के अवसरों को कम करना चाहिए कि खांसी और छींकने के दौरान टीबी से प्रभावित व्यक्ति को अपने मुंह और नाक को ढंकना चाहिए और खुले स्थानों पर नहीं थूकना चाहिए। यह आदत टीबी बैक्टीरिया के संचरण को रोक सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सुझाव दिया है कि टीबी संक्रमण ट्यूबरकुलिन त्वचा परीक्षण (टीएसटी) से निदान योग्य है। चूँकि सभी लोगों का समय-समय पर परीक्षण संभव नहीं है, इसलिए स्कूली बच्चों (5, 10 और 15 साल) के एक समूह का परीक्षण किया जा सकता है और उन टीएसटी पॉजिटिव को निवारक उपचार दिया जा सकता है। जो संक्रमित बच्चे को निवारक उपचार देगा और घर में वैसे वयस्कों को जिनका टीबी का निदान नहीं हुआ है उनको इंगित करेगा। अंत में, वार्षिक TST पॉजिटिव दर, नियंत्रण

प्रक्षेपवक्र बनाने के लिए वार्षिक संक्रमण आवृत्ति का एक उद्देश्य माप प्रदान करती है।

2025 तक टीबी समाप्त करना केवल घोषणा के साथ असंभव है, लेकिन 2025 तक टीबी वक्र को नीचे खींचना और वास्तविकता के दायरे में आने के बाद गिरावट को बनाए रखना है। 26 सितंबर, 2018 को, टीबी पर पहली संयुक्त राष्ट्र उच्च-स्तरीय बैठक ने टीबी को समाप्त करने के लिए तत्काल एजेंडा 'टीबी को समाप्त करने हेतु एकजुटता: वैश्विक महामारी हेतु अतिआवश्यक वैश्विक जवाब' की घोषणा की। टीबी संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए हमें तमिलनाडु की योजना को अपनाना चाहिए और साथ ही स्वास्थ्य शिष्टाचार पर भी जोर देना चाहिए।

GS World टीम...

क्षय रोग (टीबी)

यह क्या है?

- ' क्षय रोग (टीबी) बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में हवा के माध्यम से फैलती है। अगर सही तरीके से इलाज न किया जाए तो टीबी की बीमारी घातक हो सकती है।
- टीबी की दो तरह की स्थितियां होती हैं: अव्यक्त टीबी संक्रमण और टीबी रोग। बैक्टीरिया आपको बीमार किए बिना शरीर में रह सकते हैं। इसे अव्यक्त टीबी संक्रमण कहा जाता है। यदि शरीर में टीबी के जीवाणु सक्रिय हो जाते हैं और बढ़ने लगते हैं, तो व्यक्ति अव्यक्त टीबी संक्रमण से बढ़कर होने वाले टीबी रोग से ग्रसित हो जाएगा।

टीबी को नियंत्रित करने के प्रयास:-

- मार्च, 2018 में भारत सरकार ने लक्ष्य तय किया कि भारत 2025 तक टीबी को समाप्त कर देगा।
- राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम 1962 में शुरू किया गया था।
- प्रतिरक्षण पर विस्तारित कार्यक्रम (ईपीआई) 1978 में शुरू हुआ, जो जन्म के तुरंत बाद सभी शिशुओं को बीसीजी देता है।
- संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम (RNTCP) 1993 में शुरू किया गया था, ताकि टीबी रोगियों के लिए निदान और उपचार किया जा सके।
- तमिलनाडु तिरुवन्नामलाई में एक नया पायलट मॉडल लागू कर रहा है, जिसमें आरएनटीसीपी में जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और नया मॉडल सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड में होगा।

निवारक उपाय:-

- टीबी बैक्टीरिया के संचरण की संभावना को कम करने के लिए, खांसी और छींकने और खुले स्थानों में थूकने के लिए प्रभावित टीबी मरीज को मुंह और नाक को ढंकना चाहिए।
- WHO के अनुसार संक्रमण का उपचार टयूबरकुलीन त्वचा परीक्षण से किया जाना चाहिए और मुख्य रूप से बच्चों के एक समूह को समय-समय पर इलाज किया जाना चाहिए।

नोट:-

- 24 मार्च को विश्व टीबी दिवस मनाया जाता है।
- 2019 में विषय टीबी नियंत्रण को गंभीरता से लेने के लिए 'it's time....' था।
- 13 मार्च, 2018 को भारतीय प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में टीबी उन्मूलन शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया।
- 26 सितंबर, 2018 को, पहली बार संयुक्त राष्ट्र के उच्चस्तरीय बैठक में टीबी को अतिआवश्यक एजेंडा "टीबी समाप्ति हेतु एकजुटता-एक वैश्विक महामारी हेतु एक अतिआवश्यक वैश्विक जवाब" के रूप में घोषित किया गया।

Comm

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. विश्व क्षय रोग दिवस के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. यह 25 मार्च को मनाया जाता है।
2. 2019 में विश्व क्षय रोग का विषयवस्तु 'इट्स टाईम है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. राष्ट्रीय टी.बी. नियंत्रण कार्यक्रम 1978 में शुरू की गयी थी।
2. यह कार्यक्रम टी.बी. के मरीजों के लिए मुफ्त उपचार तथा निदान प्रदान करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

1. Consider the following statements in the context of World TB Day:-

1. It is observed on March, 25.
2. World TB Day, 2019 slogan was "It's Time"

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

2. Consider the following statements :-

1. National TB Control Programme was launched in 1978.
2. This programme offers free diagnosis and treatment for TB patient.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: "सरकार के बहुत सारे प्रयासों के बाद भी टी.बी. एक गंभीर बीमारी बनी हुई है।" चर्चा करें साथ-ही-साथ इसके रोक थाम हेतु कुछ उपायों को भी सुझाएं।

(250 शब्द)

Q. "Despite the many government's efforts, still TB is a serious disease". Discuss. As-well-as also suggest some preventive measures.

नोट : 18 मार्च को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a) होगा।